



Mr.nainitai v

12 Jun 1991

06:23 PM

Nainital

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120112502

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 12/06/1991 : _____ जन्म तिथि _____ : 12/06/2025
 बुधवार : _____ दिन _____ : गुरुवार
 घंटे 18:23:00 : _____ जन्म समय _____ : 11:34:21 घंटे
 घटी 32:57:08 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 15:55:26 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Nainital : _____ स्थान _____ : Nainital
 उत्तर 29:23:00 : _____ अक्षांश _____ : 29:23:00 उत्तर
 पूर्व 79:27:00 : _____ रेखांश _____ : 79:27:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:12:12 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:12:12 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:12:08 : _____ सूर्योदय _____ : 05:12:10
 19:11:46 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:12:03
 23:44:31 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:12:47
 वृश्चिक : _____ लग्न _____ : सिंह
 मंगल : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : सूर्य
 वृष : _____ राशि _____ : धनु
 शुक्र : _____ राशि-स्वामी _____ : गुरु
 मृगशिरा : _____ नक्षत्र _____ : मूल
 मंगल : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : केतु
 2 : _____ चरण _____ : 3
 शूल : _____ योग _____ : शुभ
 किंस्तुघ्न : _____ करण _____ : कौलव
 वो-वोमेश : _____ जन्म नामाक्षर _____ : भा-भावना
 मिथुन : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मिथुन
 वैश्य : _____ वर्ण _____ : क्षत्रिय
 चतुष्पाद : _____ वश्य _____ : मानव
 सर्प : _____ योनि _____ : श्वान
 देव : _____ गण _____ : राक्षस
 मध्य : _____ नाडी _____ : आद्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : मूषक
 34 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 35



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
ज्येष्ठा	1	17:36:40	वृश्चि			लग्न			सिंह	19:29:35	2	पू०फाल्गुनी
मृगशिरा	2	27:19:37	वृष			सूर्य			वृष	27:19:37	2	मृगशिरा
मृगशिरा	2	27:47:31	वृष			चंद्र			धनु	07:56:29	3	मूल
पुष्य	4	16:18:10	कर्क			मंगल			सिंह	02:57:03	1	मघा
रोहिणी	4	21:35:30	वृष	अ		बुध			मिथु	12:16:52	2	आर्द्रा
आश्लेषा	1	17:10:43	कर्क			गुरु	अ		मिथु	06:19:36	4	मृगशिरा
पुष्य	3	12:40:05	कर्क			शुक्र			मेष	11:53:37	4	अश्विनी
श्रवण	1	12:33:02	मक	व		शनि			मीन	06:55:48	2	उ०भाद्रपद
पूर्वाषाढ़ा	4	25:21:55	धनु	व		राहु	व		कुंभ	28:39:41	3	पू०भाद्रपद
पुनर्वसु	2	25:21:55	मिथु	व		केतु	व		सिंह	28:39:41	1	उ०फाल्गुनी
पूर्वाषाढ़ा	2	18:56:20	धनु	व		मु			कन्या	17:36:40	3	हस्त

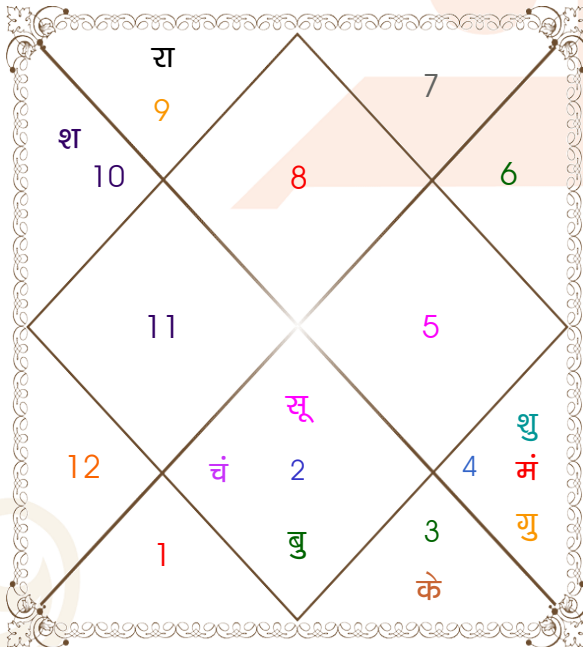
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

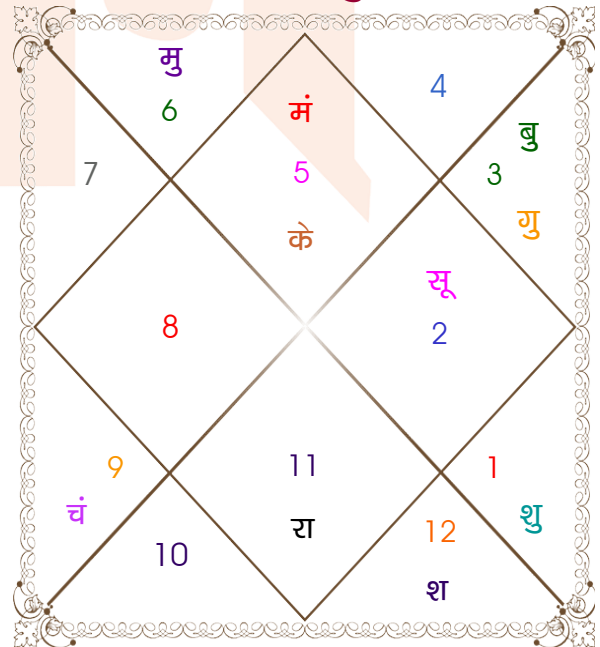
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:47

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - चंद्र - गुरु	गुरु - चंद्र - शनि	गुरु - चंद्र - बुध	गुरु - चंद्र - केतु
29/10/2025 14:30	02/01/2026 12:54	20/03/2026 15:30	28/05/2026 15:18
02/01/2026 12:54	20/03/2026 15:30	28/05/2026 15:18	26/06/2026 01:06
गुरु 07/11/2025 06:17	शनि 14/01/2026 17:55	बुध 30/03/2026 10:04	केतु 30/05/2026 07:04
शनि 17/11/2025 13:02	बुध 25/01/2026 16:05	केतु 03/04/2026 10:39	शुक्र 04/06/2026 00:42
बुध 26/11/2025 17:48	केतु 30/01/2026 04:02	शुक्र 14/04/2026 22:37	सूर्य 05/06/2026 10:48
केतु 30/11/2025 12:43	शुक्र 12/02/2026 00:28	सूर्य 18/04/2026 09:25	चंद्र 07/06/2026 19:37
शुक्र 11/12/2025 08:27	सूर्य 15/02/2026 21:00	चंद्र 24/04/2026 03:24	मंगल 09/06/2026 11:23
सूर्य 14/12/2025 14:22	चंद्र 22/02/2026 07:13	मंगल 28/04/2026 03:59	राहु 13/06/2026 17:39
चंद्र 20/12/2025 00:14	मंगल 26/02/2026 19:10	राहु 08/05/2026 12:21	गुरु 17/06/2026 12:33
मंगल 23/12/2025 19:08	राहु 10/03/2026 08:45	गुरु 17/05/2026 17:08	शनि 22/06/2026 00:31
राहु 02/01/2026 12:54	गुरु 20/03/2026 15:30	शनि 28/05/2026 15:18	बुध 26/06/2026 01:06
गुरु - चंद्र - शुक्र	गुरु - चंद्र - सूर्य	गुरु - मंगल - मंगल	गुरु - मंगल - राहु
26/06/2026 01:06	15/09/2026 05:06	09/10/2026 13:30	29/10/2026 10:45
15/09/2026 05:06	09/10/2026 13:30	29/10/2026 10:45	19/12/2026 14:00
शुक्र 09/07/2026 13:46	सूर्य 16/09/2026 10:19	मंगल 10/10/2026 17:20	राहु 06/11/2026 02:51
सूर्य 13/07/2026 15:10	चंद्र 18/09/2026 11:01	राहु 13/10/2026 16:56	गुरु 12/11/2026 22:29
चंद्र 20/07/2026 09:30	मंगल 19/09/2026 21:06	गुरु 16/10/2026 08:34	शनि 21/11/2026 00:47
मंगल 25/07/2026 03:08	राहु 23/09/2026 12:46	शनि 19/10/2026 12:08	बुध 28/11/2026 06:39
राहु 06/08/2026 07:20	गुरु 26/09/2026 18:41	बुध 22/10/2026 07:44	केतु 01/12/2026 06:14
गुरु 17/08/2026 03:04	शनि 30/09/2026 15:13	केतु 23/10/2026 11:35	शुक्र 09/12/2026 18:47
शनि 29/08/2026 23:30	बुध 04/10/2026 02:00	शुक्र 26/10/2026 19:07	सूर्य 12/12/2026 08:08
बुध 10/09/2026 11:28	केतु 05/10/2026 12:06	सूर्य 27/10/2026 18:59	चंद्र 16/12/2026 14:25
केतु 15/09/2026 05:06	शुक्र 09/10/2026 13:30	चंद्र 29/10/2026 10:45	मंगल 19/12/2026 14:00
गुरु - मंगल - गुरु	गुरु - मंगल - शनि	गुरु - मंगल - बुध	गुरु - मंगल - केतु
19/12/2026 14:00	03/02/2027 00:53	29/03/2027 00:18	16/05/2027 07:21
03/02/2027 00:53	29/03/2027 00:18	16/05/2027 07:21	05/06/2027 04:37
गुरु 25/12/2026 15:27	शनि 11/02/2027 13:59	बुध 04/04/2027 20:30	केतु 17/05/2027 11:12
शनि 01/01/2027 20:10	बुध 19/02/2027 05:30	केतु 07/04/2027 16:07	शुक्र 20/05/2027 18:45
बुध 08/01/2027 06:43	केतु 22/02/2027 09:04	शुक्र 15/04/2027 17:17	सूर्य 21/05/2027 18:36
केतु 10/01/2027 22:21	शुक्र 03/03/2027 08:58	सूर्य 18/04/2027 03:14	चंद्र 23/05/2027 10:23
शुक्र 18/01/2027 12:10	सूर्य 06/03/2027 01:45	चंद्र 22/04/2027 03:50	मंगल 24/05/2027 14:13
सूर्य 20/01/2027 18:42	चंद्र 10/03/2027 13:42	मंगल 24/04/2027 23:26	राहु 27/05/2027 13:48
चंद्र 24/01/2027 13:37	मंगल 13/03/2027 17:16	राहु 02/05/2027 05:18	गुरु 30/05/2027 05:26
मंगल 27/01/2027 05:15	राहु 21/03/2027 19:35	गुरु 08/05/2027 15:50	शनि 02/06/2027 09:00
राहु 03/02/2027 00:53	गुरु 29/03/2027 00:18	शनि 16/05/2027 07:21	बुध 05/06/2027 04:37

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शरीर में कष्ट भी उत्पन्न होगा जिससे आपको परेशानी रहेगी। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में अशान्ति तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। ज्ञानार्जन के प्रति भी इस समय आपकी रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक आप नवीन शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। मिष्टान्न इस समय आपको प्रियकर लगेंगे तथा यत्न पूर्वक इनका भक्षण करेंगे जिससे आपको प्रसन्नता की अनुभूति होगी। इस समय आपका सामाजिक प्रभाव मध्यम रहेगा तथा यथा कदा ही अन्य जन आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आपको समय समय पर परेशानी उत्पन्न होगी तथा उनसे आप चिन्तित रहेंगे। स्त्री पक्ष से भी आप सामान्य सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त सामाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश भी मध्यम ही रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक अल्प मात्रा में ही लाभ एवं उन्नति होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे परन्तु जीविका कार्य निरन्तर चलने वाला रहेगा। आर्थिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। यद्यपि इस समय आपको कष्ट प्राप्त होगा परन्तु उसे छिपाने में आप पूर्ण रूप से सफल रहेंगे। राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे सहयोग तथा लाभ भी अल्प ही रहेगा साथ ही परिश्रम पूर्वक खेल के क्षेत्र में आपको सफलता मिल सकती है। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_***

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्टान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रुचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रुचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।

